विस्तार शिक्षा निदेशालय

मासिक पशुपालन निर्देशिका

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय
हिसार (हरियाणा)

फरवरी, 2023 क्रमांक 02

वैज्ञानिक पशुपालन का प्रशिक्षण ले किसान

लुवास द्वारा स्थापित पशु विज्ञान केंद्र का नेटवर्क

हरियाणा के विभिन्न जिलो में स्थापित लुवास विश्वविद्यालय के पशु विज्ञान केंद्र के नेटवर्क के द्वारा पशुपालक वैज्ञानिक पशुपालन का प्रशिक्षण ले कर आधुनिक तकनीकी जानकारी हासिल कर सकते हैं| इसके आलावा किसी भी प्रकार के प्रशिक्षण हेतु हिसार में लुवास विश्विद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय के फोन न० 01662-289599 पर संपर्क कर सकते हैं| जिले अनुसार पशु विज्ञान केन्द्रों की सूची इस प्रकार हैं :

1.पशु विज्ञान केंद्र, कैथल
2.पशु विज्ञान केंद्र, सोनीपत
3.पशु विज्ञान केंद्र, जींद
4.पशु विज्ञान केंद्र, भिवानी
5.पशु विज्ञान केंद्र, सिरसा
6.पशु विज्ञान केंद्र, पलवल
7.पशु विज्ञान केंद्र, गुरुग्राम
8.पशु विज्ञान केंद्र, रेवाड़ी
9. पशु विज्ञान केंद्र, रोहतक
10.हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र, करनाल
11.हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़

डॉ० मनोज कुमार रोज
निदेशक, विस्तार शिक्षा
लुवास

फरवरी मास के पशुपालन सम्बन्धी कार्य

- बरसात होने पर ठण्ड का प्रबंधन करें |
- बाड़े को सूखा रखें |
- बरसीम, जई या रिजका का सूखा चारा (हे) या आचार (साइलेज) बनाएं |
- दिन रात के तापमान के अंतर से पशुओं का बचाव रखें ,धुंध की स्थिति में वायरल रोग (मुँह खुर इत्यादि) फैल सकते हैं, अत: सांस सम्बन्धी, मुँह खुर आदि रोगों के लक्षणों पर ध्यान रखें|
- छोटे कटडो में पेशाब रुकने पर शराब/ बियर आदि का सेवन ना करवाएं |

डेयेरी पशुओं में बार बार फिरने की समस्या से निजात पाने के जानें टिप्स

डॉ आनंद कुमार पाण्डेय

- पशुओं को वैज्ञानिक परामर्श से संतुलित आहार दें|
- नियमित रूप से खनिज मिश्रण को पशु राशन का हिस्सा बनाएं रखें|
- चिकित्सीय परामर्श से पेट के कीड़ो की दवा दें|
- मादा पशुओं में गर्मी के लक्षणों पर ध्यान दें, संभावित दिनों में दिन में 3 बार (सुबह- दोपहर-शाम) ध्यान दें|
- कृत्रिम गर्भाधारण के बाद पशु को किसी प्रकार के तनाव में न रखें, भरपूर पोषण दें|
- गर्भाधारण के बाद 2 महीने में गर्भ जाँच अवश्य करवाएं, इसका कोई दुष्परिणाम नही होता, पशु को अच्छे से काबू करें या शिकंजे का उपयोग करें|

संपादक : डॉ देवेन्द्र सिंह, डॉ सुजोय खन्ना, डॉ ज्योति शुन्ठवाल